



*नगर निगम, शिमला के पार्षदों की भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के दौरे पर रिपोर्ट*

**Report on Visit of Councillors of Municipal Corporation, Shimla to ICFRE-HFRI, Shimla**

On the 15th September 2025, a team of Councillors representing the Biodiversity Management Committee (BMC) of the Shimla Municipal Corporation visited ICFRE–Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla for interactions of their role and also to the information on local biodiversity. Dr. Sandeep Sharma, Director In-charge, welcomed the delegation and highlighted the vital role of councillors in promoting urban forestry, emphasizing the need for eco-sensitive development and proper drainage systems. Dr. Vaneet Jishtu, Head Extension through a Power Point presentation, elaborated on the role of BMCs in context to the Biodiversity Act, and recommended key indigenous species for developing green spaces in urban areas. He also shared insights on Himachal Pradesh's biodiversity and the rich traditional knowledge related to native plants. Dr. Joginder Chauhan briefed the members on Mission LiFE, underlining the importance of councillor involvement in environmental sustainability efforts. A detailed discussion followed, addressing members' queries on biodiversity. Dr. Rahul Negi, Member Secretary BMC and Ms. Monika Bhardwaj, Councillor and Chairperson BMC, expressed gratitude to HFRI for sharing valuable knowledge on the region's biodiversity. They opinioned that more interactions are required with the institute to make Shimla green and clean. Other councillors of group were Ms Sheenam Kataria, Ms Umang Banga, Ms Shanti Verma, Ms Urmila Kashyap and Ms Kamlesh Mehta **#Mission LiFE**.









## एचएफआरआई का किया दौरा

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

शिमला नगर निगम की बायोडाइवर्सिटी मैनेजमेंट कमेटी (बीएमसी) के पार्षदों की एक टीम ने सोमवार को आईसीएफआई-हिमालयन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एचएफआरआई), शिमला का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय जैव विविधता, शहरी हरियाली और पर्यावरणीय चुनौतियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में निदेशक प्रभार डाक्टर संदीप शर्मा ने कहा कि शहरी वानिकी को बढ़ावा देने में पार्षदों की अहम भूमिका है। उन्होंने इको-सेंसिटिव विकास और उचित ड्रेनेज सिस्टम की आवश्यकता पर बल दिया। एचएफआरआई के विस्तार प्रमुख डाक्टर वनीत जिस्टू ने प्रजेंटेशन के माध्यम से बायोडाइवर्सिटी एक्ट में बीएमसी की भूमिका समझाई। उन्होंने शहरी हरियाली के लिए उपयुक्त स्वदेशी प्रजातियों की सिफारिश की और हिमाचल की समृद्ध जैव विविधता तथा पारंपरिक ज्ञान की झलक साझा की। वहीं, डॉ. जोगिंदर चौहान ने मिशन लाइफ के महत्व को रेखांकित करते हुए पार्षदों



को भागीदारी को जरूरी बताया। चर्चा के दौरान बीएमसी सदस्यों ने जैव विविधता से जुड़े सवाल पूछे और विशेषज्ञों ने विस्तार से समाधान दिए। बीएमसी की सदस्य सचिव डाक्टर राहुल नेगी और अध्यक्ष मोनिका भारद्वाज ने एचएफआरआई का आभार जताया और कहा कि भविष्य में ऐसे और संवाद जरूरी हैं ताकि शिमला को हरा-भरा और स्वच्छ बनाया जा सके। इस अवसर पर बीएमसी की अन्य पार्षद सदस्य शोभन कटारिया, उमंग बंगा, शांता वर्मा, उर्मिला कश्यप और कमलेश मेहता भी उपस्थित रहें।



शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के दौर के दौरान संयुक्त चित्र में अधिकारी व नगर निगम पार्षद (नगर)

## शिमला नगर निगम बी.एम.सी. पार्षदों ने किया एच.एफ.आर.आई. का दौरा

शिमला, 15 सितम्बर (ब्यूरो) : शिमला नगर निगम की जैव विविधता प्रवर्धन समिति के पार्षदों ने सोमवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान शिमला का दौरा किया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी डा. संदीप शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए नगरीय वानिकी को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संवेदनशील विकास व उचित जल निकासी प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया।

एच.एफ.आर.आई. के विस्तार प्रमुख डा. वनीत जिस्टू ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से जैव विविधता अधिनियम में बी.एम.सी. की भूमिका पर विस्तार से

जानकारी दी।

उन्होंने शहरी क्षेत्रों में हरेत स्थलों के लिए उपयुक्त प्रजातियों की अनुसंधान की और हिमालय प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता तथा पर्यावरण के ज्ञान पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर बी.एम.सी. के सदस्य सचिव डा. राहुल नेगी और समिति की अध्यक्ष व दूत पार्षद मोनिका भारद्वाज ने एच.एफ.आर.आई. का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिमला को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए ऐसे संवाद नियमित होने चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में शीनम कटारिया, उमंग बंगा, शांति वर्मा, उर्मिला कश्यप और कमलेश मेहता भी शामिल थे।

बलब बने

शिमला हिमालयन अधिकारी सचिव पदोन्नति इस अतिरिक्त सेवा सचि दा

## वन अनुसंधान संस्थान करेगा हरियाली बढ़ाने में मदद

शिमला। भवनों के निर्माण से कंकरीट में बदल रहे शिमला शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए नगर निगम अब हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की मदद लेगा। शहर में पौधरोपण से लेकर पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जाने वाले अभियानों में संस्थान के विशेषज्ञों के सुझाव लिए जाएंगे। समिति अध्यक्ष मोनिका भारद्वाज की अगुवाई वाली पार्षदों की टीम ने संस्थान के विशेषज्ञों से पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई प्रस्तावों पर बात की। संस्थान के निदेशक एवं प्रभारी डॉ. संदीप शर्मा ने शहरी क्षेत्रों में वनीकरण पर जोर दिया। डॉ. वनीत जिस्टू ने हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण में शहरी निकायों की भूमिका पर बात की। डॉ. जोगेंद्र चौहान ने भी जैव विविधता को लेकर किए जा रहे कामों की जानकारी दी। समिति की अध्यक्ष मोनिका भारद्वाज ने कहा कि आने वाले समय में संस्थान के सुझाव पर अभियान चलाए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद कमलेश मेहता, शीनम कटारिया, शांति वर्मा, उमंग बंगा, उर्मिला कश्यप और सचिव राहुल नेगी भी मौजूद रहे। ब्यूरो